आचार दिनकर (फोल्डर नं. ००१५५८)

मुख्य टाइटल

प्रस्तावना ---------- २

પુનર્મુદ્રણ પ્રસંગે ---------- ૫

અંગુલિ નિર્દેશ ---------- ૬

પ્રાસ્તાવિક ---------- ૮

પ્રકાશકિય ---------- ૯

अनुक्रमणिका

प्रथमो विभागः

- मङ्गलाचरणपीठिका ---------- १-९
- षोशसंस्कारान्तर्गतगर्भाधानसंस्कारविधि ---------- ५-८
- पुंसवन संस्कारविधि ---------- ९
- जन्मसंस्कार ---------- १०
- सूर्येन्दुदर्शनविधि ---------- ११
- अशनसंस्कारविधि ---------- ११
- षष्ठीसंस्कारविधि ---------- १२-१३
- शुचिकर्मसंस्कारविधि ---------- १४
- नामकरणविधि ---------- १५
- अन्नप्राशनसंस्कारविधि ---------- १६
- कर्णवेधसंस्कारविधि ---------- १७
- चूडाकरणसंस्कारविधि ---------- १८
- उपनयनसंस्कारविधि ---------- १९-२९
- अध्ययनारम्भविधि ---------- ३०
- विवाहविधि ---------- ३१-६१
- व्रतारोपविधि ---------- ६२-६८
- अन्त्यसंस्कारविधि ---------- ६९-७२
- यत्याचार ---------- ७३-७६
- क्षुक्लकत्वविधि ---------- ७६
- प्रव्रज्याविधि ---------- ७६-८३
- अनुओगविधि ---------- ८४
- उपस्थापनाविधि ---------- ८५-८८

द्वितीयो विभागः

- योगोद्वहनविधि ---------- ८९-९१
- कालग्रहणविधि ---------- ९२-९४

काल पलेववानो, सज्झाय पठाववानो, पाटली करवानो -- ९४-९६
आवश्यक योगविधि --- ९६
यन्त्रसहितम् --- १०८
गणिपद प्रदान, प्रवर्तक, पंन्यास, उपाध्याय, आचार्यपदविधि --------------------------------------- १०८-१२५
अहोरात्रचर्या -- १२५-२३२
साधूनामृतुचर्या, व्याख्यानविधि--- १३३-१४०
अन्तसंलेखनाविधि -- १४०-१४४
प्रतिष्ठाविधि -- १४५-१४८
क्रयाणकानि -- १४९-१५२
पूर्वविधि -- १५३
खातविधि, शिलान्यास, कूर्मणप्रतिष्ठा -- १५४-१६३
स्नात्रादि-महोत्सवः -- १६४-१६७
नंद्यावर्तस्थापना पूजा--- १६७-१७०
नवपदपूजा --- १७१-१७२
द्वितीयवलय-जिनमातरः--- १७२-१७४
तृतीय वलय १६ विद्यादेव्यः -- १७४-१७५
चतुर्थ वलय २४ लोकांतिकदेवो--- १७५-१७६
पञ्चम वलय ६४ इन्द्राः -- १७७-१८२
षष्ठ वलय ६४ इन्द्राण्यः-- १८२-१८६
सप्तम वलय २४ यक्षाः--- १८६-१८८
अष्टम वलय २४ यक्षिण्यः -- १८८-१९९
नवम वलय १० दिक्पालाः -- १९१-१९२
दशम वलय ९ ग्रहाः १ क्षेत्रपाल --- १९१-१९३
प्रकीर्णक-- १९४-१९६
अधिवासनाविधि -- १९६
२५ कुसुमाञ्जलयः-- १९७-२०६
अभिषेक-स्नात्रादि --- २०६-२०८
अष्टमङ्गल पूजा -- २०९
नन्द्यावर्त विसर्जन-- २१०-२११
ग्रहशान्ति -- २१३
चैत्यप्रतिष्ठा-- २१४
कलश-प्रतिष्ठा-- २१५-२१६
ध्वज प्रतिष्ठा--- २१६-२१७
परिकर प्रतिष्ठा--- २१७-२१८
देवी प्रतिष्ठा --- २१९-२२३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

क्षेत्रपालादि प्रतिष्ठा--२२३
सिद्धमूर्ति प्रतिष्ठा--२२४
देवतासर प्रतिष्ठा --२२४
मन्त्रपट्ट प्रतिष्ठा --२२५
पितृ प्रतिष्ठा --२२५
ग्रह प्रतिष्ठा --२२६
चतुर्निकाय प्रतिष्ठा--२२७
गृह-जलाशय -- २२७-२२८
प्रकीर्ण पूजा-- २२८-२२९
अधिवासनानि-- २२९-२३२
शान्तिकविधि -- २३२-२३७
ग्रहनक्षत्र शान्ति -- २३८-२४६
पौष्टिकविधान -- २३६-२४९
बलिविधान --२५०
प्रायश्चित्तविधिः -- २५०-२६५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org